



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART 1—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 238]

नई दिल्ली, ब्रूधवार, दिसम्बर 31, 1980/पौष 10, 1902

No. 238] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 31, 1980/PAUSA 10, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिसमें यह अलग संकलन के लिए में गणना की जाती है।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

मंत्रालय

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1980

गक्ष-प्रतिशत नियोन अभिमुख प्रकार

सं. 8/15/78-ई.पी.0...व्यापार गेप में द्वारे हुए घाटे को पूरा करने और विदेशी सुदूर के रक्षण क्षेत्र में जो ब्रह्मद्वार कमी आने जा रही है उसे पूरा करने के लिए यह आवश्यक है गया है कि आपने नियोनों में वृद्धि की जाए। तदनुसार भवार ने गक्ष-प्रतिशत नियति अभिमुखी प्रकारों को स्वीकृत सुनिश्चय किया गया है कि हान प्रकारों का कुछ विवरण दी जायें जिससे ये कीमत निवारण, क्रान्तिकारी प्रियोजन आदि के मामले में अधिकार देने को पूरा कर सके।

2. गक्ष-प्रतिशत नियति अभिमुख प्रकार यह नात्यवै एक ऐसे श्रोतों-गिक प्रकार से हैंगा जो अपने समन्वय उत्पादन का नियंत्रण के लिये दें दें। इसमें रह दिये गये माल के स्वीकृत स्तर शामिल होंगे। प्रत्येक मामले में गुणावण के आधार पर गक्ष-प्रतिशत नियति वारंवार के लिये स्वीकृत कमधद्वार कार्यक्रम की अनुमति होगी। इस प्रकार का एक ऐसे उत्पादन से संबंधित होगा जिसकी नियति आमता और नियति लक्ष्यों के बारे में

मन्त्रनियत नियति संबंधित पारिषद ने विचार कर लिया है। मन्त्रनियत उत्पादन के संबंध में नियोन नियंत्रण कीटा मीमांस्य लाभू नहीं होगी। यह मीमांस्य उत्पादन के वर्तमान एककों द्वारा पूरी की जा सकेगी। अभियाय यह है कि ऐसी क्षमता का सृजन होना चाहिये जिससे संबंधित नियति हों न कि बोल प्रतिलिपान हों जाए।

3. इस प्रकार के एक के लिये कम से कम 20 प्रतिशत या उत्पादन अधिक भूल्यवर्द्धन आवश्यक हैंगा। भूल्यवर्द्धन का हितावधान के लिये विवरण में प्राप्त वार्षिक माल आवश्यक के रूप में माना जायेगा।

4. इस प्रकार के एक का प्रत्युभावन करने गमय उस आरतिक्षण ग्रन्थालय को भी ध्यान में रखा जाएगा जो प्रस्तावित एक के द्वारा दिया होगा।

5. ऐसे उत्पादों की उदाहरण स्वरूप सूची, जिनके बारे में इस विज्ञान के गक्ष-प्रतिशत विकास दिया जा सकता है, मल्लगत है।

6. इस विज्ञान के अन्तर्गत उत्पाद नियंत्रित करने के द्वचुक सभी एककों से संबंधित प्राई एक्साएक सी फर्म पर श्रोतों-गिक प्रत्युभावन संबंधित, उत्पादन मकाल, श्रोतों-गिक विभाग, उत्पादन विभाग, उत्पादन भवन, नई दिल्ली को प्रार्थना पत्र देने होंगे। कार्मों के ऊपर "गक्ष-प्रतिशत f : दस अभिमुख उत्पाद" शब्द लिये जायें। हान प्रत्येक पत्रों पर बोर्ड द्वारा विचार किया जायगा जिसके प्रार्थना वाणिज्य मंत्रालय होंगे।

७. बोर्ड द्वारा स्वीकृत एवं पर मंत्र तोर पर नियन्त्रित गत लाग होगी ।

(1) एवं बोर्ड द्वारा स्वीकृत किया गया पर मंत्र तोर पर नियन्त्रित गत लाग होगी ऐसे इन्होंने के मामले में पात्र दर्ता तक जिनमें उच्च कोर्ट के प्रौद्योगिक ग परिवर्तन की आवश्यकता हो, अंत उत्पादन वा कम्पनी मंत्र नियन्त्रित करने का अवन देंगे। ऐसे मामलों प्राप्तिकारी इन पदकों की, जो वे कही भी रियत हो, बात सुविधावाले प्रदान करें।

(2) पूर्णांश माल, सघटक और कल्पने माल के लाभान पर आवायत गुलक की छूट होगी। नैयार माल पर भी उत्पादन गुलक और अव्य केन्द्रीय वर्ग नहीं होगे।

(3) इन नियन्त्रित पर नकाद महायात्रा, प्रतिपूर्ति लाइसेंस जैसे कोई नियन्त्रित लाभ नहीं होगे।

(4) आवश्यकात्मक माल, सघटकों, उच्च भाग और लाभ में आने वाली चीजों के नियन्त्रित की अनुमति होगी।

(5) आवश्यक पूर्जीगत माल के आवायत की अनुमति मुक्त विवरणों मुक्त या द्विप्रतीय विवरणों के आधार पर इस प्रवाह होनी विवरण एकों की मत्ता, अनुचित रूप में न थक जाए।

(6) प्रतीक मामले में गुणावणु के आवायत पर विवरण भवित्व की अनुमति दी जा सकती है।

(7) आर्थिक कानून विभाग की दिनांक 19 फरवरी, 1972 का प्रेस टिप्पणी में बिंदगी ईकिटी के बाब करने की जो शर्तें नियन्त्रित की गई हैं वे गत-प्रतिशत नियन्त्रित अधिकारी के मामलों में लाग नहीं की जाएंगी।

(8) नियन्त्रित उत्पादन पर लाभ की दरों को प्रतीकों विवरण एकों की विवरण एकों को और सभी वर्ग वर्गों/एम आर टी पी एन्डी का विनीय सम्बन्धियों से मामाल अनु/ईकिटी अनुमति पर उधार लेने की अनुमति दी जा सकती है।

(9) स्वदेश से उपचार विवरण माल, सघटक तथा कल्पने माल की अनुमति केन्द्रीय उत्पादन मुक्त वा अनुमति की दिनांक होगी।

(10) 5 प्रतिशत आधार उत्पादन प्रतिशत तक जो कि बोर्ड द्वारा नियन्त्रित किया जाए अस्वीकृत माल के अरेत ट्रिफ क्षेत्र में आवायत अनिवार्य उत्पादन गुलक और साथ ही अस्वीकृत माल पर केन्द्रीय उत्पादन गुलक वा अनुमति करके या इन करों के कुल विवरण के बाबत राय का अनुमति करके बेचने की अनुमति दी जा सकती है।

(11) एत प्रतिशत नियन्त्रित प्राप्त करने के लिए कमबद्ध कार्यक्रम के बारे में गुणावणु के आधार पर विवरण दिये जा सकते हैं। तथापि ऐसे मामलों में उत्पादन वा लाभ में कम तोत चौधारी अवधि उत्पादन नियन्त्रित करना पड़ता।

(12) नियन्त्रित लाभ प्राप्त करने की तैयारी के इर्ष्य वाले वर्षों से अधिक नहीं होनी चाही लाभ प्राप्त करने की अनुमति नियन्त्रित दायित्व की अवधि तैयारी की अवधि के बाब आरंभ होनी।

(13) नियन्त्रित दायित्व की शर्त के बारे में बोर्ड द्वारा नियन्त्रित की जाएगी तथा इस प्रयोग के बारे में विवरण किसी एकों को नियन्त्रित दायित्व की अवधि के पूर्ण होने के बाब बाड मुक्त द्वारा की अनुमति दी जा सकती, और इन्हें बाब अरेत आजार के लिए, उत्पादन करने की अनुमति दी जा सकती, अंत इन्हें बाब अरेत आजार के लिए, उत्पादन करने की अनुमति दी जा सकती, उस सभी लाग आवश्यक नीति, ईकिटी आवायती, स्वदेशी अप्राप्ति तथा लाग औपर्याकारी, किसी भी पदार्थ, अधिकारोंके पदार्थ।

(14) नियन्त्रित की अवधि के बाब बाड मुक्त द्वारा पर गुलक नियन्त्रित कर प्रकार से लगाया जाएगा।

(क) प्रतीकों माल के हासिल मूल्य पर सीमांशुक दरकू उत्पादन पर जो अवेदन के मत्र प्रबन्धित हो।

(ख) अप्रत्यक्ष आवायत कल्पने काल विवरण ग उत्पादन के मत्र या और उत्पादन पर लगाया जाएगा जो विवरण के मत्र प्रबन्धित हो।

(ग) उत्पादन गुलक लाभ जो सकते रहने माल के सबध में उत्पादन गुलक विवरण लगाया जाएगा और उत्पादन पर लगाया जाएगा जो विवरण के मत्र रही हो।

(15) ग्रोपिगत लाइसेंस के लिए ग्रोपिगत अनुमति संचालन का भेजा गया अवेदन पत्र एम आर टी पी अधिनियम, 1969 के अन्तर्गत आवेदन पत्र भाना जाएगा और उसकी प्रोसेस करने के लिए एक साथ कार्यकारी की जाएगी ताकि बोर्ड द्वारा एक ही स्थान पर विवरण दी जा सके।

(16) योंव इन विवेष सुविधाओं के लिए मजूर किए जाएंगे विवरणों में इस योजना के अन्तर्गत अपने नियन्त्रित संवधीय या अन्य दायित्वों की पूरा करने में असमर्थ है, तो बोर्ड उत्पादन के दायित्वों की पूर्णविलोकन करेगा और इस बात की सिफारिश करेगा तिए इन एक के सबध में भविष्य में क्या कार्यकारी की जाए।

(17) जो एकों इन विवेष सुविधाओं के लिए मजूर किए जाएंगे वे अवेदन नियन्त्रित के नुस्खे नियन्त्रित की बाड/कानूनी दफ्तरात्र भर कर देंगे और यहां पे फूरा उत्पादन विवरणों को पूरा करोंगे असमर्थ रहते हैं तो योंव अवधि उत्पादन विवरण विवरणों के अन्तर्गत उत्पादन पर कोई जुर्माना डाला जा सकता हो तो उसके अप्राप्त उत्पादन पर इस प्रकार के बाड/कानूनी विवरण के अनुमति भी जुर्माना डाला जा सकता।

गत-प्रतिशत नियन्त्रित के आवायत पर विवेष सुविधाओं के जो उत्पादन पाल हो, उसको उत्पादन सूची।

१ ईजोनियरी माल

१.१ इन्डियरी माल (प्राकृत और अनौद धन्यवाह का ईजोनियर)

१.२ इन्डियरी नियन्त्रित उत्पादन जिनमें इन्डियरीनियरों संस्टिरेशन एमिल हैं।

२ रसायन रामिटान के उत्पाद तथा संबंधित उत्पाद अर्थात् —

(अ) आवायतिक रसायन कर्बनिक रसायन एवं विशेष रसायन।

(ब) आपेक्ष ०.३ ग्रौपर विवरण विवरणों पदार्थ जिनमें अनुरक्षण आवधि शामिल है।

(ग) रसायन एवं उत्पादक संवधीय पदार्थ।

(द) प्रसाधन मालों तथा सुग्राह मालों (साधित टालक का ईजोनियर)।

(३) पेट और संबंधित उत्पाद।

(च) सेटी मालिस, आतिशायी, किस्फोटक पदार्थ, अधिकारोंके पदार्थ।

(४) सिरोमन्स उत्पाद ।
 (५) बाबू नथा कान के तत्त्व ।
 (६) स्टार्ट की चीजें पर्सियां दिते रहते ।
 (७) एम्बेटों रोमेंट, (जिनमें इतनाहर आर रीमेंट के रोजे शामिल हैं ।
 (८) शब्द की चीजें ।
 (९) कामज, कामी रे उत्पाद और नेत्रन शामिल हैं ।
 (१०) कीटनाशक उदाहरण और परिवर्तन तदावं ।
 (११) अन्यरचनाय ।
 २.२ पारं सर्वांगी अनुसंधान ।
 २.३ अनिमहान्ते ।
 २.४ लाइसेंस और लिंगोलियन उत्पाद ।

३. फर्मीचर :

४. अमडे का और खेलकूद का समान ।
 ४.१ नेयार अमडा आर चमड़े की चीजें, जिनमें कुट्टवार और पेट ब्रेन शामिल हैं ।
 ४.२ खेलकूद का समान ।
 ५. खाद्य, कृषि तथा दूर्न उत्पाद ।
 ५.१ डिल्क्वेन्ड तथा अक्स में जैसे हुआ सन्तुष्टि उत्पाद ।
 ५.२ मार्गिक खाद्य पदार्थ, कल, मर्तजया तथा अल्कोहॉल थाले और अमावक पेय ।
 ५.३ मास तथा सर्वधार उत्पाद ।
 ५.४ पैकेजेन्ड आय, अर्थात् एक किलो ग्राम तक के उत्पादन मैकों में पेक को हुई आय तथा इन्टर्न चाय ।
 ५.५ पिर्सी हुई इस्टेंट और पैकेजेन्ड यार्न ।
 ५.६ नाम्बाकू उत्पाद ।
 ५.७ चावल की तेल रहित भूमि और बिनोलि की खनी, माल की शीज की बसा और पृष्ठ खाय, पदार्थ ।
 ५.८ आम की गिरी का निकारण और आम की गिरी का तेल ।

६. अम्ल

६.१ कालोने ।
 ६.२ स्लैक्सलग पर्निधन, फिल्डियन तैरां चीजें ।
 ६.३ रबड़ तुकड़ वायर और कर्ल्ड वायर ।
 ६.४ आदि ।
 ६.५ प्राकृतिक रेतों के दल्न परिवर्तन तथा सैयर चीजें ।
 ६.६ हॉटरी ।
 ७. हृषकरथा वर्ष, नैगर चांज और परिवान ।

७. विद्युत ।

७.१ हम्मेशल की वस्तु ।
 ७.२ चारी और रोने वां आनुप्रयण ।
 ७.३ फैसलेंट अभियान ।

केंद्र प्रकाशन द्रागन्द, संचयन मंत्रित

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Commerce)

RESOLUTION

New Delhi, the 31st December, 1980

100 Per Cent EXPORT ORIENTED UNITS (1)

S.O. No. 8151/78-EP.—In order to bridge the increasing deficit in the balance of trade and running down of exchange reserves, it has become necessary to step up the growth of

our exports. Accordingly Government have decided to implement a scheme to facilitate the setting up of 100 per cent export oriented units. It has been decided to give such units certain concessions to enable them to meet rigours of foreign demand in terms of pricing, quality precision etc

2. A 100 per cent export oriented unit would imply an industrial unit offering for exports its entire production excluding permitted levels of rejects. An agreed time-phasing for achieving 100 per cent export will be permissible on merits of each case. Such an unit would belong to an industry in respect of which the export potential and export targets have been considered by the relevant Export Promotion Council. The product concerned should not be subject to export control in which case he by existing units in the industry. The intention is that capacity should be created which should result in additionality of exports and not mere substitution.

3. Minimum value added content of 20 per cent or more will be necessary for production of such a unit. Domestically procured raw materials shall be treated as imports for computation by value added.

4. While approving such a unit the additional employment which would be generated by the proposed unit would also be taken into consideration.

5. An illustrative list of industries which may be considered under the scheme is annexed.

6. All the units intending to set up industries under the scheme shall make applications to the Secretariat for Industrial Approvals, Ministry of Industry, Department of Industrial Development, Udyog Bhavan, New Delhi in the relevant IL/FC forms super imposed with the words "100 per cent export oriented unit" considered by a Board industry". These applications will be considered by a Board headed by the Commerce Secretary.

7. A unit approved by the Board shall be governed broadly by the following terms and conditions :—

- (i) The unit shall undertake to manufacture in bond and to export its entire production for a period of 10 years ordinarily and 5 years in the case of products having high degree of technological change. The Customs Authorities shall provide bond facilities to such units wherever located.
- (ii) Import of capital goods, components, and raw materials shall be exempt from import duty. Finished products shall also be exempt from excise and other central levies.
- (iii) No export benefits like cash assistance, replenishment licences would be admissible on these exports.
- (iv) Import of capital goods, components, raw materials and consumables, as required will be permitted.
- (v) Imports of necessary capital goods shall be allowed against free foreign exchange or bilateral credits in such a way that the cost of units is not unduly raised.
- (vi) Foreign collaboration may be permitted on merits of each case.
- (vii) The conditions for dilution of foreign equity as stipulated in the Department of Economic Affairs Press Note of 17th February, 1972, will not be enforced in 100 per cent export oriented cases.
- (viii) So as to keep rates of return on export production competitive, exporting units including Large Houses, MRTD units may be permitted to borrow from financial institutions at normal debt/equity ratio.
- (ix) Relatively available capital goods, components and raw materials will be allowed without payment of Central Excise Duty.
- (x) Reverses up to 5% or such percentage as may be fixed by the Board may be allowed to be sold in the domestic tariff area on payment of customs duty on imported inputs and Central Excise Duty on the indigenous inputs and also Central Excise Duty on the rejects for an amount equal to the aggregate of such duties.

(xi) Time phasing for achieving 100 per cent exports may be considered on merits. However, in such cases exports shall have to be at least three-fourths or more of the production.

(xii) The gestation period for achieving export targets shall not be more than two years and the period of export obligation in terms of the approval shall commence after the gestation period.

(xiii) The condition of export obligation shall be subject to review by the Board and the question whether the unit can be allowed to be debonded after completion of export obligation period and thereafter allowed to produce for domestic market shall be decided in the light of industrial policy in force at that time, equity participation, indigenous capacity and protection to small scale industry.

(xiv) On debonding after the period of export, duties shall be leviable as follows :—

- customs duty on capital goods on the depreciated value but at rates prevalent at the time of import;
- customs duty on unused imported raw materials and components on value at the time of import and rates in force at the time of clearance; and
- in respect of excisable goods, excise duty to be levied without depreciation and at rate attracted at the time of clearance

(xv) An application made for industrial licence to the Secretariat for Industrial Approvals shall be treated as an application under the MRTP Act, 1969 and simultaneous action shall be taken to process the same so that a single point clearance is given by the Board.

(xvi) If any unit approved under this scheme is unable for any reasons, to fulfil its export or other obligations under this scheme, the Board will review the circumstances of that unit and recommend the future course of action to be taken in regard to that unit.

(xvii) The units which are approved for these special facilities would have to execute bond/legal undertaking with the CCI&F and in case of failure to fulfil their obligations, they would be liable to penalty in terms of such bond/legal undertaking besides the penalty, if any, under the Import Trade Control Regulations.

ILLUSTRATIVE LIST OF PRODUCTS WHICH WOULD BE ELIGIBLE FOR SPECIAL FACILITIES ON THE GROUND OF 100 PER CENT EXPORTS

1. Engineering goods :

- Engineering goods (excluding prime and non-ferrous metals).
- Electronics products including electronic software.

2. Chemicals, Plastics and Allied Products, namely :

- Inorganic chemicals, organic chemicals and miscellaneous chemicals.

- Drugs and drugs intermediates, including crude drugs.
- Dyes and dye intermediates.
- Toiletaries and perfumeries (excluding processed talc).
- Paints and allied products.
- Safety matches, fireworks, explosives and detonators.
- Ceramic products.
- Glass and glassware.
- Wood products and processed wood.
- Asbestos, cement, including clinkers and cement products.
- Rubber manufactures.
- Paper, Paper products and Stationery.
- Pesticides and preservatives.
- Agarbattis.

2.2 Culinary oleo-resins.

2.3 Refractories.

2.4 Plastics and Linoleum Products.

3. Furniture.

4. Leather and Sports Goods :

- Finished leather and leather manufacturers, including footwear and Paint Brushes.

4.2 Sports goods.

5. Food, Agriculture and Forest Products :

- Canned and frozen marine products.

- Processed foods, fruits, vegetables and alcoholic and soft beverages.

5.3 Meat and allied products.

- Packaged tea i.e. tea packed in consumer packs of a size upto 1 kg. and instant tea.

- Instant and packaged ground coffee.

5.6 Tobacco manufactures.

- Deoiled rice bran and cotton seed cakes, Sal seed futs and animal foods.

- Mango Kernel Extraction and Mango Kernel Oil

6. Textiles :

- Carpets.

- Readymade garments, knitwear, made-up articles.

- Rubberised coir and curled coir.

- Khadi.

- Natural silk fabrics, garments and made-up articles.

- Hosiery.

- Handloom fabrics, made-up articles and garments.

7. Miscellaneous :

- Handicrafts.

- Silver and Gold Jeweller.

- Fabricated Mica.

K. PRAKASH ANAND, Jt. Secy.